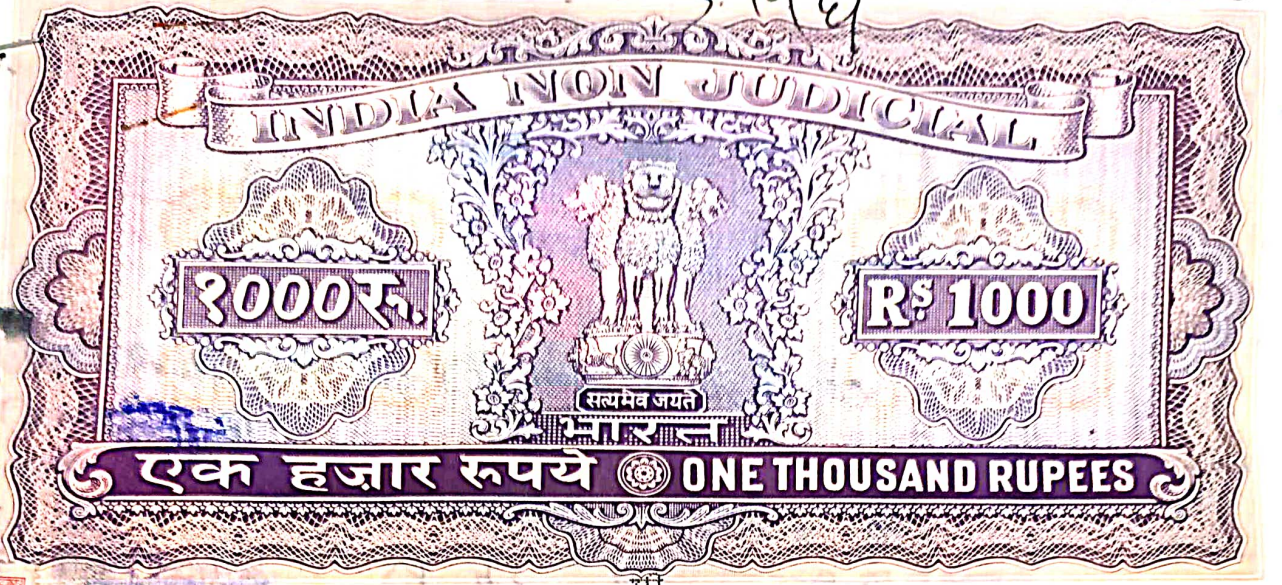


1000Rs.



शुल्क रुपये	13,500=00	बाजार मूल्य रुपये	1,80,000/-
शुल्क रुपये	7,200=00	व्यवहार मूल्य रुपये	1,80,000/-
पचायत शुल्क रुपये	1,000=00		
अतिरिक्त शुल्क रु.	00=10		
उपकर शुल्क रुपये	00=00		
अधिक शुल्क रुपये	00=00		
योग	रुपये 22,500=10		

- :: विक्रय-पत्र :: -

श्री राजेश कुमार पिता श्री रामसेवक श्रीवास्तव  
निवासी एफ.एफ.24, योजना क्रमांक 54,  
इन्दौर, मध्य प्रदेश

विक्रेता

1. श्री संजय गुप्ता पिता श्री राजबहादुर गुप्ता
  2. श्री सुनील गुप्ता पिता श्री राजबहादुर गुप्ता
  3. श्री सुधीर गुप्ता पिता श्री राजबहादुर गुप्ता
  4. श्री सुशील गुप्ता पिता श्री राजबहादुर गुप्ता
- निवासी 98, वैशाली नगर सेक्टर-1, इन्दौर,  
मध्य प्रदेश

क्रेता

... 2 ...

R. K. Srivastava



//-2-//

यह विक्रय पत्र विक्रेता स्वेच्छा से क्रेता के पक्ष में तथा हित में निम्नानुसार निष्पादित कर पंजीयत करा देते हैं :-

1. यह कि, विक्रेता के स्वामित्व एवं आधिपत्य की दूकान शहर इन्दौर के पटेल नगर यहां पर भूखण्ड क्रमांक 29 पर निर्मित भवन की तल मंजिल की दूकान नंबर 01 की है। सदर दूकान विक्रेता द्वारा ज्यों रजि. व. नं. 1अ/1538 दिनांक 6.12.1988 के द्वारा क्रय की गई हैं। इस दूकान की नपती 10 फीट बाय 30 फीट, क्षेत्रफल 300 वर्गफीट है। इसकी ऊंचाई 16 फीट होकर इसमें मेफनाईन बना है। इस दूकान में छत के अधिकार शामिल नहीं है। सदर दूकान में नल व बिजली कनेक्शन है। इस दूकान की चतुःसीमा निम्नानुसार है:-

पूर्व में	मकान नंबर 29 का भाग
पश्चिम में	पटेल नगर मार्ग
उत्तर में	दूकान नंबर 02
दक्षिण में	कामन पैसेज

2. उपरोक्त वर्णन एवं चतुःसीमा के मध्य का तथा वर्णन की यह दूकान विक्रेता ने क्रेता को, अपने स्वत्व एवं अधिकारों सहित रुपये 1,00,000/- एक लाख अस्सी हजार मात्र में विक्रय की है, तथा प्रतिफल की संपूर्ण धनराशि साक्षियों के समक्ष निम्नानुसार रीतियों से प्राप्त किये:-

3

R. K. Shrivastava



- // - 3 - //
- रुपये 51,000/- इक्कावन हजार मात्र जयें चेक नंबर 027170 दिनांक 26.4.95,
- रुपये 50,000/- पचास हजार मात्र जयें चेक नंबर 027179 दिनांक 17.5.95
- रुपये 50,000/- पचास हजार मात्र जयें चेक नंबर 027180 दिनांक 17.5.95, उक्त तीनों चेक्स सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया सुदामा नगर, इन्दौर द्वारा प्राप्त किये, एवम
- रुपये 29,000/- उनतीस हजार मात्र नगदी साक्षियों के समझ प्राप्त किये, अब प्रतिफल का शेष लेना कुछ भी रहा नहीं है।

योग 1,80,000/-

3. यह कि, इस विलेख में विक्रेता शब्द का उल्लेख किया गया है, उससे आशय विक्रेता स्वयं तथा उनके वेध उत्तराधिकारी, असाईनीज, वेध प्रतिनिधि, आदि से है। तथा क्रेता शब्द से आशय-समय समय पर उनसे स्वत्व ग्रहण करने वालों से है। इसी प्रकार इस विलेख में आगे "विक्रीत संपत्ति" शब्द का उल्लेख किया गया है, इससे आशय भूखण्ड व उसपर निर्मित मकान इदुकान से है।

R. K. Shrivastava

//-6-//

यह विक्रय पत्र विक्रेता ने स्वेच्छा से क्रेता के पक्ष में तथा हित में निष्पक्षित कर दिया है, तथा इस विलेख को पढ़कर, सुनकर, समझकर हस्ताक्षर किये हैं, ताकि प्रमाण रहे ।

इति

दिनांक २५.१.१५

इन्दौर

साक्षीगण :

1.

नाम २ (जि. १) ५/० S. L. श्रीवास्तव  
पता ३, जमिंदार गली

2.

नाम श्रीमान श्रीमान  
पता श्रीमान श्रीमान

विक्रेता R. K. Sharma

प्रासूषणकर्ता :-

श्री उमेश कुमार शर्मा  
एडवोकेट, इन्दौर